

अमिताभ ढल्लिों हरयाणा भ्रष्टाचार नरीधक ब्यूरो के प्रमुख होंगे

चर्चा में क्यों?

हाल ही में हरयाणा सरकार ने वर्ष 1997 बैच के [भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी](#), अमिताभ सहि ढल्लिों को **हरयाणा भ्रष्टाचार नरीधक ब्यूरो (ACB)** के अतरिक्त पुलिस महानदिशक (ADGP) के रूप में नयुक्त कया।

मुख्य बदि:

- वर्ष 1997 बैच के एक अन्य अधिकारी संजय कुमार को ममता सहि की जगह ADGP, कानून और व्यवस्था के रूप में तैनात कया गया था।
- राज्यपाल के **ऐड-डिकैप (ADC)**, अरश वर्मा को महेंदरगढ के **पुलसि अधीक्षक** के रूप में तैनात कया गया था, जबकि अतरिक्त पुलिस अधीक्षक (SP), यमुनानगर, हमिद्री कौशकि को **पुलसि उपायुक्त (DCP)**, पंचकुला के रूप में तैनात कया गया था।
- वर्ष 1991-बैच के अधिकारी, आलोक रॉय को **पुलसि महानदिशक (DGP)**, **मानव संसाधन (HR)** और **मुकदमेबाजी** के रूप में तैनात कया गया था, जबकि उनके बैचमेट, संजीव जैन को DGP, हरयाणा मानवाधिकार आयोग के रूप में तैनात कया गया था।
- DCP, बल्लभगढ, राजेश दुग्गल को गुरुग्राम के संयुक्त पुलिस आयुक्त के रूप में तैनात कया गया।

ऐड-डिकैप

- 'ऐड-डिकैप' की उपाधि सशस्त्र बलों में एक अधिकारी को दी जाती है, जो उच्च रैंकगि वाले अधिकारी की सहायता करता है।
- ADC वे अधिकारी होते हैं जो सेना प्रमुख, सेना कमांडरों, राज्यपालों और भारत के राष्ट्रपति सहति शीर्ष अधिकारियों के नजी सहायक के रूप में कार्य करते हैं।
- भारत के राष्ट्रपति के पास पाँच ऐड-डिकैप होते हैं, जनिमें से तीन सेना से और एक-एक नौसेना तथा वायु सेना से होते हैं।
- राज्य के राज्यपाल के दो ऐड-डिकैप होते हैं, एक सेना/नौसेना/वायु सेना से आता है और दूसरा राज्य के पुलिस बल से आता है।
- एक ADC के पास सशस्त्र बलों में पाँच से सात वर्ष का अनुभव होना चाहिये। उनका चयन उनके पेशेवर प्रदर्शन और साक्षात्कार के आधार पर कया गया है।